मुंबई के लीलावती अस्पताल ने रोशनी कैटरेक्ट सर्विस के साथ मिलकर नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी शुरू की

मुंबई. लीलावती अस्पताल अँण्ड रिसर्च सेंटर ने रोशनी कैटरेक्ट सर्विस के साथ मिलकर वंचित व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच और मोतियाबिंद सर्जरी का नया उपक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन किशोर मेहता सहित लिलावती अस्पताल के सम्मानित संस्थापकों और स्थायी ट्रस्टियों द्वारा किया गया। इस वक्त चारु मेहता, राजीव मेहता, राजेश मेहता और प्रशांत मेहता उपस्थित थे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नेत्र स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता निर्माण करना और जरूरतमंद लोगों को समय रहते वैद्यकीय सेवा प्रदान करना है।

भारत में मोतियाबिंद के कारण अंधापन और दृष्टि हानि की समस्या बढ़ रही है। देशभर में लाखों लोग मोतियाबिंद की समस्या से पीड़ित हैं। मोतियाबिंद के कारण दृष्टि धुंधली हो जाती है जो समय के साथ बिगड़ती जाती है। सर्जरी के बिना, मोतियाबिंद से गंभीर दृष्टि हानि होती है। मोतियाबिंद सर्जरी दृष्टि बहाल करने का एकमात्र तरीका है। समय रहते मोतियाबिंद का निदान और इलाज हुआ तो दृष्टिहानि से बचाया जा सकता है। मुंबई के प्रतिष्ठित लीलावती अस्पताल अँण्ड रिसर्च सेंटर के ट्रस्टी राजीव मेहता ने कहा की, "दृष्टिहानि की समस्या बढ़ती जा रही है। समय रहते जरूरतमंदों को वैद्यकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए, लीलावती अस्पताल ने रोशनी कैटरेक्ट सर्विस के साथ मिलकर वंचित व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच और मोतियाबिंद सर्जरी का नया उपक्रम शुरू किया है। आंखों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता निर्माण करना इस उपक्रम का मुख्य उद्देश है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, लीलावती अस्पताल यह सुनिश्चित करके समाज को वापस देने की अपनी विरासत को जारी रखता है कि आर्थिक रूप से वंचित लोगों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।" लीलावती अस्पताल अँण्ड रिसर्च सेंटर के स्थायी ट्रस्टी राजीव मेहता ने कहा की, "मोतियाबिंद का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए नियमित नेत्र जांच के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक कराया गया। कई बार आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण लोग इलाज नहीं कराते। समय रहते इलाज नहीं हुआ तो बिमारी गंभीर स्वरूप धारण कर सकती है।